दूर करने के लिए केन्द्र खोले गये हैं और भिन्न भिन्न राज्यों में खोले गये है और जहां यह बीमारी ज्यादा है वहां ज्यादा खोले गये हैं। मैं जानना चाहता हूं कि पूरे देश में इस चीज की जानकारी प्राप्त की गई है कि फाइलेरिया बीमारी होने के कारण क्या हैं?

डा० सुशीला नायर : जी हां, फाइलेरिया का कारण तो हम अच्छी तरह से जानते है। जो फाइलेरिया का रोगी हैं चाहे उसे सिम्पटम्स हों या न हों, उसको मच्छर काटता है और उसके शरीर से फाइलेरिया के जन्तु लेकर स्वस्थ व्यक्ति को काटता है और उस के शरीर में उन्हें दाखिल कर देता है। इससे फाइलेरिया होता है।

Shri Sham Lal Saraf: There is no doubt that in the matter of eradication of Malaria, the eradition programme has been a success. May I know if efforts are afoot to take concerted action with regard to eradicating Filaria and Elephantiasis also by starting a programme of eradication and, if so, how soon it would be possible to start the programme?

Dr. Sushila Nayar: I wish I could say that we could undertake eradication of filaria, but I am sorry we do not know how to do it. The only effective thing is proper sanitation and drainage, so that mosquito breeding can be controlled, which is a very big programme and is beyond our means at present.

श्री श्र० प्र० शर्मा : हाथी पांव की बीमारी उड़ीसा के कुछ हिस्सों में और खास तौर से पूर्वी हिस्से में अधिकतर होती है। मैं जानना चाहता हूं कि वहां पर इस तरह का सैंटर क्यों नहीं खोला गया है?

डा० सुशीला नायर : वहां भी सैंटर है।

श्री राम सहाय पाण्डेय : क्या स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा यह सर्वेक्षण कराया गया है कि किन किन प्रदेशों में यह बीमारी अधिक पाई जाती है?

डा० सुशीला नायर : यह सर्वेक्षण किया गया है, प्रदेशों में ही नहीं बल्कि जिलों तक की जानकारी हमारे पास मौजूद है।

Shri D. J. Naik: Malaria and Elephantiasis are prevalent in South Gujarat. Have any centres been started there?

Shri P. S. Naskar: The centres that have been opened in Gujarat are Surat Borough Municipality, Jamnagar, Junagadh and Surat District.

Agricultural Education

\+

*662. Shri P. R. Chakraverti:
Shri P. C. Borooah:
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the Minister of **Planning** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a team of experts has reported to the Planning Commission that agricultural education was languishing for want of clear objectives, apathy and inadequate facilities in the form of land, irrigation, equipment and other material inputs;

(b) whether according to the team's finding, hardly 10 to 13 per cent students following agricultural courses go back to the land farms;

(c) whether Government have decided to divert a considerable number of students, out of the millions of students at the post-middle School Stage, to an intensive agricultural course; and

(d) if so, the steps which are proposed to be taken to remove the widely prevalent impression that agriculture is not remunerative?

The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat): (a) The team has not yet submitted its report on survey of agricultural education at the secondary and pre-university stages. A brief note on the subject was, however, circulated for the Conference of State Education Ministers held at Srinagar in June, 1965 which, among others, incorporated the preliminary observations of the team.

(b) Relevant extracts of the note, giving the findings of the team, are placed on the Table of the House. [*Placed in Library, See* No. LT—4868/65].

(c) and (d). On the recommendations of the Working Group on Junior Agricultural Schools set up by the Ministry of Education, it is proposed to divert about 4 lakhs of students at the secondary stage to agricultural courses during the Fourth Plan. Necessary outlays have been provided in the Fourth Plan allocations.

Shri P. R. Chakraverti: May I know what positive steps have been taken by the Government to give agricultural education a diverse character so as to include training in farm management?

Shri B. R. Bhagat: The Team is looking into this. One of its recommendations in the preliminary note is that, right from the beginning, agricultural courses should be made compulsory at the secondary stage, so that at the end of the secondary stage they can diversify.

Shri P. R. Chakraverti: Keeping in view the experiments that have been carried out in U.S.A. and U.S.S.R. where agricultural education forms a component part of secondary education, may I know whether Government are making any move in that direction?

Shri B. R. Bhagat: The Team will look into this question also.

श्री दे० शि० पाटिल : कृषि शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए मैं जानना चाहता हूं कि भारत में कितने कृषि महाविद्यालय हैं आज और देहातों में कृषि की शिक्षा देने के लिए क्या सुझाव दिये गये हैं ?

श्री ब० रा० भगत : अभी तो सुझाव नहीं दिये हैं । रिपोर्ट आने वाली है, उस में सुझाव दिये जायेंगे ।

श्री विभूति मिश्र : माननीय मंत्री जी के जवाब से हमें संतोष नहीं हुआ है । क्या यह सही है कि जो फर्स्ट क्लास के स्टूडेंट निकलते हैं, वे इंजीनियरिंग में, मैडिकल कालेजिज में तथा आई० ए० एस० आदि में जाते हैं लेकिन एग्रिकलचर में नहीं जाते हैं ? क्या उसका कारण यह नहीं है कि एग्रिकलचर कालेजिज से निकले हुए स्टूडेंट्स को सरकार कम तनख्वाह देती है, इसलिये उनके लिए आगे प्रास्पैक्ट्स अच्छे नहीं होते हैं और इसलिये एग्रिकलचर में स्टूडेंट्स नहीं जाते हैं ?

श्री ब० रा० भगत : हो सकता है यह भी । लेकिन सब बातों की छानबीन की जा रही है ।

Shri P. R. Patel: Hardly 10 to 13 per cent of the students following agricultural courses go back to the farms. May I know the reason for this? Am I to understand that agriculture is not a paying profession and that they get more in other professions?

Shri B. R. Bhagat: That may be so.

Shrimati Tarkeshwari Sinha: May I know how many institutions giving agricultural training have attached farms with them? What is Government doing to make all the agricultural institutions have attached farms, so that practical training may be given to the students?

Shri B. R. Bhagat: The latter is the desired objective. As regards the number of agricultural institutions having farms, I do not have the information with me just now.

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : इस प्रश्न के भाग ख में यह कहा गया है कि 13 प्रतिशत विद्यार्थी शिक्षा समाप्त करने के बाद खेती का काम करते हैं। मैं यह पूछना चाहता हूं कि आपने खेती करने वाले परिवारों में से कितने विद्यार्थी प्रशिक्षण के लिए भेजे हैं? क्या उन में से इतने ही भेजे हैं?

श्री ब० रा० भगत : एक सुझाव यह भी है कि ऐसे किसानों के लड़कों को खेती की शिक्षा दी जाए जिनके पास अपनी जमीन है ताकि वे अपनी खेती को अच्छी तरह कर सकें।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : कितने भेजे हैं आप ने?

श्री ब० रा० भगत : इन बातों पर अभी विचार किया जा रहा है, कमेटी बैठी है, अभी तो कुछ कहना मुश्किल है।

Shri Ranga: Will Government ask this committee or any of the authorities that they have to find out what percentage of these people who abstain from going back to their farms after obtaining this training do so because of the ceiling placed on land incomes at only Rs. 500 per annum per family whereas in all other professions there is no such ceiling at all?

Shri B. R. Bhagat: The committee will also look into this, but to me it does not appear that the connection between the two is very valid.

Shri Ranga: What is the answer to the question? I could not hear it.

Mr. Deputy-Speaker: The answer is that the committee will go into that question.

श्री भागवत झा आजाद : क्या 18 वर्ष की योजना के बाद सरकार के सामने यह बात स्पष्ट नहीं हो पायी है कि देश में कृषि शिक्षा के सम्बन्ध में स्पष्ट उद्देश्यों का अभाव है, सुयोग्य कर्मचारियों की कमी है और देश में लगातार इस बात की मांग की जा रही है कि कृषि सेवा को अखिल भारतीय सेवा बनाया जाए? अगर ये बातें स्पष्ट हैं तो फिर इन बातों पर कोई कार्य करने के बजाय कमेटियां क्यों बिठाई जा रही हैं? इन स्पष्ट बातों पर सरकार काम क्यों नहीं करती है?

श्री ब० रा० भगत : यह बात स्पष्ट है कि कृषि शिक्षा के स्पष्ट उद्देश्य का अभाव है, यह मानी हुई बात है...

श्री ध० ला० त्रिवेदी : आप मानते हैं?

श्री ब० रा० भगत : मैं मानता हूं। अभी आपको शिकायत नहीं करनी चाहिये। और शिक्षकों की भी कमी हो सकती है। इन सारी बातों की छान बीन करने के लिए कमेटी बिठाई गई थी ताकि चौथी पंचवर्षीय योजना में कृषि के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कृषि शिक्षा का या दूसरे और भी जो मैंटीरियल हैं उनका व्यवहार करने के लिए ट्रेनिंग दी जा सके। इन बातों पर विचार करने के लिए कमेटी बिठाई गयी है।

श्री गौरी शंकर कक्कड़ : क्या माननीय मंत्री को इस बारे में जानकारी है कि कृषि शिक्षा का कोई भी अभी तक सम्बन्ध वास्तविक रूप से कृषि उत्पादन या कृषि कार्य से नहीं रहा? क्या कोई ऐसी व्यवस्था सरकार सोच रही है कि कृषि शिक्षा का अनुपात और संतुलन वास्तविक रूप से कृषि उत्पादन और कृषि की बढ़ोतरी की ओर किया जाए, और इस पर क्या प्रयास है?

श्री ब० रा० भगत : कृषि शिक्षा का कृषि उत्पादन से सीधा सम्बन्ध हो इसके लिये कोशिश की जा रही है ।

Shri Kapur Singh: Are Government prepared to concede publicly that their own land reform policies are basically responsible for making private farming unattractive to anybody except the most unskilled?

Shri B. R. Bhagat: We do not accept it...

Mr. Deputy-Speaker: This question has been answered already.

Shri Kapur Singh: My question is at a different level altogether, and I think the hon. Minister is going to answer it.

Mr. Deputy-Speaker: It has been answered already.

श्री रामसेवक यादव : मैं जानना चाहूंगा कि क्या यह बात सही है कि कृषि विद्यालयों में खेती करने वाले परिवारों के लड़के नहीं लिए जाते और ऐसे लोग लिए जाते हैं जिनका खेती से कोई सम्बन्ध नहीं है, और क्या यह उसी का परिणाम नहीं है कि इन विद्यार्थियों में केवल 13 प्रतिशत लोग फार्मों में जाते हैं बाकी नौकरी की तलाश में रहते हैं ?

Mr. Deputy-Speaker: This question also has been answered already.

Shri Sheo Narain: It is a very good question and it should be answered.

श्री भागवत झा आजाद : उपाध्यक्ष महोदय, हर सवाल का आप जवाब दे देते हैं । 80 प्रतिशत सवालों का आप जवाब दे देते हैं और हमको मिनिस्टर से जवाब नहीं मिल पाता । इसका क्या कारण है । प्रश्न बड़ा स्पष्ट है कि क्या यह सही है कि केवल 13 प्रतिशत विद्यार्थी ऐसे हैं जिनके पास कृषि करने के लिये जमीन है और बाकी खेती का काम नहीं करते या फार्मों में काम नहीं करते । इसका आपने उत्तर दिया, मिनिस्टर ने उत्तर नहीं दिया ।

Mr. Deputy-Speaker: This question has been answered already.

Shri Bhagwat Jha Azad: No, it is not a fact that it has been answered. We want an answer to the question from the hon. Minister and not from you.

Shri B. R. Bhagat: I have not got the break-up of the proportion of agriculture students belonging to the farmer and non-farmer class.

Shri Bishwanath Roy: May I know whether the present syllabus of agricultural education contains any programme regarding the mechanism of production of agricultural implements?

Shri B. R. Bhagat: Yes, the courses include training in use of implements.

Shrimati Ramdulari Sinha: May I know whether it is a fact that the land reforms Acts of various States fixing ceilings on land have not been fully implemented, and if so, whether it is true that on account of the uncertainty of the future of the land reform legislation, agricultural production is very much handicapped?

Shri B. R. Bhagat: Yes, a doubt has been expressed, that the latter is true.

Shrimati Yashoda Reddy: The hon. Minister was pleased to say that he did not have any information as to whether students going into agricultural universities were having any agricultural background.

Shri B. R. Bhagat: Break-up.

Shrimati Yashoda Reddy: I would like to know whether he has got any information as to whether students who do not get admission in any other college go into the agricultural college and not because they are eager to have agricultural education.

Mr. Deputy-Speaker: That is a different question.

Shrimati Yashoda Reddy: It is happening in our own State.

Mr. Deputy-Speaker: Order, order.

Shri P. Venkatasubbaiah: May I draw the attention of the hon. Minister to the statement made by the study team to the effect that the impression is that agriculture is not remunerative and the position has become difficult as a result of fragmentation of land due to various governmental policies and laws of succession. May I know whether Government agree with this observation, and if so, what steps are they going to take to remedy the situation?

Shri B. R. Bhagat: Government will look into all these recommendations along with the team's fuller recommendations.

Shri R. S. Pandey: In America, universities have got agricultural colleges compulsorily and all the students who pass out of such colleges are engaged in extension services; they work on farms and so on. I would like to know whether the hon. Minister is going to suggest that this policy be adopted here so that the universities have agricultural colleges within their jurisdiction on the same lines.

Mr. Deputy-Speaker: Suggestion for action.

Shri R. S. Pandey: I would like to know whether he is thinking on those lines.

Mr. Deputy Speaker: Government will consider it.

Shri Sham Lal Saraf: With the introduction of community development and various other schemes, it was hoped that the concerned people would be brought nearer to agricultural education. The drawback so far has been of the white-collar approach. May I know if the concerned departments both at the Centre as well as in the States have been successful in changing that approach so that all concerned apply their mind to agriculture itself? If so, to what extent?

Shri B. R. Bhagat: I agree. That is why we are looking afresh into this question.

National Health Insurance Scheme

+

*664. **Shri Yashpal Singh:**
Shri Eswara Reddy:
Shri Basappa:
Shri Onkar Lal Berwa:
Shri Jashvant Mehta:
Shrimati Laxmi Bai:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether there is a proposal to introduce a National Health Insurance Scheme; and

(b) if so, the main features thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Shri P. S. Naskar): (a) There is a proposal to introduce Pilot Health Insurance Scheme during the IV Plan.

(b) The details are under consideration.

श्री यशपाल सिंह : साउथ एवेन्यू में पिछले 18 घंटों से एक चुल्लू भी पानी नहीं है एक बूंद पानी की नहीं है और बच्चे प्यास से तड़प रहे हैं और एम० पी० ज० को आठ, आठ मील स्नान करने के लिए जाना पड़ रहा है तो जब ऐसी हालत हो तो कोई नेशनल हैल्थ इंश्योरेंस स्कीम कैसे कामयाब हो सकती है ? एक चुल्लू पानी भी नहीं है ।